



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की

खण्ड-8] रुड़की, शनिवार, दिनांक 08 दिसम्बर, 2007 ई० (अग्रहायण 17, 1929 शक सम्वत्) [संख्या-49

विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक बन्दा
सम्पूर्ण गजट का मूल्य	—	रु० 3075
भाग 1-विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस	287-297	1500
भाग 1-क-नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया	343	1500
भाग 2-आज्ञाएं, विज्ञप्तियां, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियां, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरण	—	975
भाग 3-स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया	—	975
भाग 4-निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड	—	975
भाग 5-एकसन्टेन्ट जनरल, उत्तराखण्ड	—	975
भाग 6-बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट	—	975
भाग 7-इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियां	—	975
भाग 8-सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि	—	975
स्टोर्स पर्वेज-स्टोर्स पर्वेज विभाग का क्रोड़-पत्र आदि	—	1425

भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

औद्योगिक विकास अनुभाग-1

कार्यालय झाप

27 नवम्बर, 2007 ई०

संख्या 6461/VII-1-07/457-उद्योग/2002-उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून के अन्तर्गत जिला उद्योग केन्द्र, देहरादून में तैनात श्रीमती कौशल्या बन्धु, प्रबन्धक को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से सुसंगत सेवा नियमावली के अन्तर्गत उद्योग विभाग, उत्तराखण्ड में उपलब्ध रिक्ति के सापेक्ष विभागीय पदोन्नति समिति की सस्तुति के आधार पर महाप्रबन्धक, वेतनमान रुपये 10,000-15,200 के पद पर नियमित रूप से प्रोन्नत किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उक्त प्रोन्नति के फलस्वरूप श्रीमती कौशल्या बन्धु, महाप्रबन्धक को जिला उद्योग केन्द्र, देहरादून में तैनात किया जाता है।

3-श्रीमती कौशल्या बन्धु, महाप्रबन्धक को निर्देशित किया जाता है कि वे तत्काल अपने नवीन पद का कार्यभार ग्रहण कर सूचना शासन को उपलब्ध करावें।

आज्ञा से,

पी० सी० शर्मा,

प्रमुख सचिव।

कार्मिक अनुभाग-1

प्रोन्नति

विज्ञप्ति

19 नवम्बर, 2007 ई०

संख्या 6447/तीस-1-2007-18(15)/2002-उत्तर प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत प्रान्तीय सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों का अन्तिम आवंटन मा० न्यायालयों में लम्बित याचिकाओं के कारण प्रभावी न हो पाने के कारण उत्तराखण्ड में डिप्टी कलेक्टर के पदों पर कमी को दृष्टिगत रखते हुए काम चलाऊ व्यवस्था के अन्तर्गत शासन के पत्रांक संख्या-2575/तीस-1-2004, दिनांक 14 जुलाई, 2004 द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न रूप से 01 वर्ष हेतु डिप्टी कलेक्टर के पद पर प्रोन्नत किया गया था :-

01 श्री भगवत किशोर मिश्रा 02 श्री दामोदर जोशी

03 श्री जगदीश लाल

2-शासन के पत्रांक संख्या-5060/तीस-1-2006-18(15)/2002, दिनांक 28 सितम्बर, 2006 द्वारा अन्तिम बार उक्त अधिकारियों की स्थानापन्न प्रोन्नति की अवधि पूर्ण होने के कारण पुनः आगामी 01 वर्ष हेतु बढ़ा दी गयी थी।

3-उपरोक्त अधिकारियों की स्थानापन्न प्रोन्नति की अवधि दिनांक 13 जुलाई, 2007 को पूर्ण होने तथा राज्य में प्रान्तीय सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों की कमी के कारण उक्त अधिकारियों की स्थानापन्न प्रोन्नति की अवधि को दिनांक 14 जुलाई, 2007 से आगामी 01 वर्ष के लिए बढ़ाये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

4-उक्त पदोन्नति पूर्णतः अस्थायी एवं अन्तरिम है तथा उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2000 के अन्तर्गत अन्तिम आवंटन के अधीन तथा आवश्यकता परिवर्तनीय होगी।

19 नवम्बर, 2007 ई०

संख्या 6448/तीस-1-2007-18(15)/2002-उत्तर प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत प्रान्तीय सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों का अन्तिम आवंटन मा० न्यायालयों में लम्बित याचिकाओं के कारण प्रभावी न हो पाने के कारण उत्तराखण्ड में डिप्टी कलेक्टर के पदों पर कमी को दृष्टिगत रखते हुए काम चलाऊ व्यवस्था के अन्तर्गत शासन के पत्रांक संख्या-3112/तीस-1-2004-18(15)/2002, दिनांक 20 अगस्त, 2004 द्वारा श्री हर्षमणी चमोली को स्थानापन्न रूप से 01 वर्ष हेतु डिप्टी कलेक्टर के पद पर प्रोन्नत किया गया था।

2-शासन के पत्रांक संख्या-5062/तीस-1-2006-18(15)/2002, दिनांक 28 सितम्बर, 2006 द्वारा अन्तिम बार श्री चमोली की स्थानापन्न प्रोन्नति की अवधि पूर्ण होने के कारण पुनः आगामी 01 वर्ष हेतु बढ़ा दी गयी थी।

3-श्री हर्षमणी चमोली की स्थानापन्न प्रोन्नति की अवधि दिनांक 19 अगस्त, 2007 को पूर्ण होने तथा राज्य में प्रान्तीय सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों की कमी के कारण उक्त अधिकारियों की स्थानापन्न प्रोन्नति की अवधि को दिनांक 20 अगस्त, 2007 से आगामी 01 वर्ष के लिए बढ़ाये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

4-उक्त पदोन्नति पूर्णतः अस्थाई एवं अन्तरिम है तथा उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत अन्तिम आवंटन के अधीन यथा आवश्यकता परिवर्तनीय होगी।

19 नवम्बर, 2007 ई०

संख्या 6449/तीस-1-2007-18(15)/2002-उत्तर प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत प्रान्तीय सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों का अन्तिम आवंटन मा० न्यायालयों में लम्बित याचिकाओं के कारण प्रभावी न हो पाने के कारण उत्तराखण्ड में डिप्टी कलेक्टर के पदों पर कमी को दृष्टिगत रखते हुए काम चलाऊ व्यवस्था के अन्तर्गत शासन के पत्रांक संख्या-2993/तीस-1-2004, दिनांक 09 अगस्त, 2004 द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न रूप से 01 वर्ष हेतु डिप्टी कलेक्टर के पद पर प्रोन्नत किया गया था :-

- | | |
|----------------------------|--------------------------------|
| 01 श्री नारायण सिंह डांगी | 02 श्री सुरेन्द्र सिंह जंगपागी |
| 03 श्री मंगत सिंह | 04 श्री हिमालय सिंह |
| 05 श्री वीर सिंह | 06 श्री त्रिलोक सिंह |
| 07 श्री दीपेन्द्र सिंह | 08 श्री चन्द्र सिंह इमलाल |
| 09 श्री माया दत्त जोशी | 10 श्री गिरीश चन्द्र गुणवन्त |
| 11 श्री अशोक कुमार जोशी | 12 श्री शिववरण द्विवेदी |
| 13 श्री अनूप कुमार नौटियाल | 14 श्री प्रकाश चन्द्र दुम्का |

2-शासन के पत्रांक संख्या-5059/तीस-1-2006-18(15)/2002, दिनांक 28 सितम्बर, 2006 द्वारा अन्तिम बार उक्त अधिकारियों की स्थानापन्न प्रोन्नति की अवधि पूर्ण होने के कारण पुनः आगामी 01 वर्ष हेतु बढ़ा दी गयी थी।

3-उपरोक्त अधिकारियों की स्थानापन्न प्रोन्नति की अवधि दिनांक 08 अगस्त, 2007 को पूर्ण होने तथा राज्य में प्रान्तीय सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों की कमी के कारण उक्त अधिकारियों की स्थानापन्न प्रोन्नति की अवधि को दिनांक 09 अगस्त, 2007 से आगामी 01 वर्ष के लिए बढ़ाये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

4-उक्त पदोन्नति पूर्णतः अस्थाई एवं अन्तरिम है तथा उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत अन्तिम आवंटन के अधीन यथा आवश्यकता परिवर्तनीय होगी।

19 नवम्बर, 2007 ई०

संख्या 6450/तीस-1-2007-18(15)/2002-उत्तर प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत प्रान्तीय सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों का अन्तिम आवंटन मा० न्यायालयों में लम्बित याचिकाओं के कारण प्रभावी न हो पाने के कारण उत्तराखण्ड में डिप्टी कलेक्टर के पदों पर कमी को दृष्टिगत रखते हुए काम चलाऊ व्यवस्था के अन्तर्गत शासन के पत्रांक संख्या-4310/तीस-1-2006-18(15)/2002, दिनांक 01 अगस्त, 2006 द्वारा श्री मोहन सिंह का स्थानापन्न रूप से 01 वर्ष हेतु डिप्टी कलेक्टर के पद पर प्रोन्नत किया गया था।

2-श्री मोहन सिंह की स्थानापन्न प्रोन्नति की अवधि दिनांक 31 जुलाई, 2007 को पूर्ण होने तथा राज्य में प्रान्तीय सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों की कमी के कारण श्री मोहन सिंह की स्थानापन्न प्रोन्नति की अवधि को दिनांक 01 अगस्त, 2007 से आगामी 01 वर्ष के लिए बढ़ाये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

3-उक्त पदोन्नति पूर्णतः अस्थाई एवं अन्तरिम है तथा उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत अन्तिम आवंटन के अधीन यथा आवश्यकता परिवर्तनीय होगी।

19 नवम्बर, 2007 ई०

संख्या 6451/तीस-1-2007-18(15)/2002-उत्तर प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत प्रान्तीय सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों का अन्तिम आवंटन मा० न्यायालयों में लम्बित याचिकाओं के कारण प्रभावी न हो पाने के कारण उत्तराखण्ड में डिप्टी कलेक्टर के पदों पर कमी को दृष्टिगत रखते हुए काम चलाऊ व्यवस्था के अन्तर्गत शासन के पत्रांक संख्या-1354/तीस-1-2006-18(15)/2002, टी०सी० दिनांक 25 अप्रैल, 2006 द्वारा श्री सुन्दर लाल सेमवाल को तदर्थ रूप से 01 वर्ष हेतु डिप्टी कलेक्टर के पद पर प्रोन्नत किया गया था।

2-श्री सुन्दर लाल सेमवाल की तदर्थ प्रोन्नति की अवधि दिनांक 24 अप्रैल, 2007 को पूर्ण होने तथा राज्य में प्रान्तीय सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों की कमी के कारण उक्त अधिकारियों की तदर्थ प्रोन्नति की अवधि को दिनांक 25 अप्रैल, 2007 से आगामी 01 वर्ष के लिए बढ़ाये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

3-उक्त पदोन्नति पूर्णतः अस्थाई एवं अन्तरिम है तथा उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत अन्तिम आवंटन के अधीन तथा आवश्यकता परिवर्तनीय होगी।

आज्ञा से,

डी० के० कोटिया,
सचिव।

सहरी विकास विभाग

अधिसूचना

13 नवम्बर, 2007 ई०

संख्या 878/IV-2007-01(80)/2007-चूकि, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 की धारा 8 के अधीन उत्तराखण्ड शासन, उत्तराखण्ड राज्य के सम्बन्ध में लागू विधि को, आदेश द्वारा, निरसन अथवा संशोधन के रूप में, ऐसे अनुकूलन तथा उपान्तरण कर सकता है, जो आवश्यक व समीचीन हों;

तथा, चूकि, उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर पालिका सेवक अपील नियमावली, 1967) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 की धारा 86/87 के अधीन उत्तराखण्ड राज्य में लागू है;

अतः, अब, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 (अधिनियम सं० 52, वर्ष 2006) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल, उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर पालिका सेवक अपील नियमावली, 1967) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 को उत्तराखण्ड राज्य में निम्नलिखित प्राविधानों के अध्वधीन लागू रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर पालिका सेवक अपील नियमावली, 1967) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007

1-संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारम्भ--

(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर पालिका सेवक अपील नियमावली, 1967) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2-"उत्तरांचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढ़ा जाना--

उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर पालिका सेवक अपील नियमावली, 1967) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 में जहां-जहां शब्द "उत्तरांचल" आया है, वहां-वहां वह शब्द "उत्तराखण्ड" पढ़ा जायेगा।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 878/IV-2007-01(80)/2007, dated November 13, 2007 for general information.

NOTIFICATION

November 13, 2007

No. 878/IV-2007-01(80)/2007—WHEREAS under section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 the Uttarakhand Government may, by order, make such adaptation and modification of the law by way of repeal or amendment as necessary or expedient;

AND, WHEREAS, the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Municipal Board Servant Appeal Rules, 1967) Adaptation and Modification Order, 2002 is in force in the State of Uttarakhand under section 86/87 of the Uttar Pradesh Reorganisation Act, 2000;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Governor is pleased to direct that the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Municipal Board Servant Appeal Rules, 1967) Adaptation and Modification Order, 2002 shall have applicability to the State of Uttarakhand, subject to the provisions of the following order—

**THE UTTARAKHAND (THE UTTAR PRADESH MUNICIPAL BOARD SERVANT APPEAL RULES, 1967)
(ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2002) ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2007**

1. Short title and Commencement—

(1) This order may be called The Uttarakhand (The Uttar Pradesh Municipal Board Servant Appeal Rules, 1967) (Adaptation and Modification Order, 2002) Adaptation and Modification Order, 2007.

(2) It shall come into force at once.

2. "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal".

In the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Municipal Board Servant Appeal Rules, 1967) Adaptation and Modification Order, 2002, wherever the expression "Uttaranchal" occurs, it shall be read as "Uttarakhand".

13 नवम्बर, 2007 ई०

संख्या 884/IV-2007-01(84)/2007—वूकि, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 की धारा 6 के अधीन उत्तराखण्ड शासन, उत्तराखण्ड राज्य के सम्बन्ध में लागू विधि को, आदेश द्वारा, निरसन अथवा संशोधन के रूप में, ऐसे अनुकूलन तथा उपान्तरण कर सकता है, जो आवश्यक व समीचीन हों;

तथा, वूकि, उत्तरांचल [उत्तर प्रदेश नगर निकाय (निर्वाचक नामावली का तैयार किया जाना और पुनरीक्षण) नियमावली, 1994] अनुकूलन और उपान्तरण आदेश, 2002, उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 की धारा 86/87 के अधीन उत्तराखण्ड राज्य में लागू है;

अतः अब, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 (अधिनियम सं० 52, वर्ष 2006) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल, उत्तरांचल [उत्तर प्रदेश नगर निकाय (निर्वाचक नामावली का तैयार किया जाना और पुनरीक्षण) नियमावली, 1994] अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 को उत्तराखण्ड राज्य में निम्नलिखित प्राविधानों के अन्वये लागू रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

उत्तराखण्ड [उत्तर प्रदेश नगर निकाय (निर्वाचक नियमावली का तैयार किया जाना और पुनरीक्षण) नियमावली, 1994] (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007

1-संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारम्भ—

(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड [उत्तर प्रदेश नगर निकाय (निर्वाचक नामावली का तैयार किया जाना और पुनरीक्षण) नियमावली, 1994] (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2-उत्तरांचल के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढ़ा जाना—

उत्तरांचल [उत्तर प्रदेश नगर निकाय (निर्वाचक नामावली का तैयार किया जाना और पुनरीक्षण) नियमावली, 1994] अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 में जहाँ-जहाँ शब्द "उत्तरांचल" आया है, वहाँ-वहाँ वह शब्द "उत्तराखण्ड" पढ़ा जायेगा।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 884/IV-2007-01(84)/2007, dated November 13, 2007 for general information :

November 13, 2007

No. 884/IV-2007-01(84)/2007—WHEREAS, under section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 the Uttarakhand Government may, by order, make such adaptation and modification of the law by way of repeal or amendment as necessary or expedient;

AND, WHEREAS, the Uttaranchal [The Uttar Pradesh Municipal Board (Preparation & Revision of Electoral Roll) Rules, 1994] Adaptation and Modification Order, 2002 is in force in the State of Uttarakhand under section 86/87 of the Uttar Pradesh Reorganisation Act, 2000.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Governor is pleased to direct that the Uttaranchal [The Uttar Pradesh Municipal Board (Preparation & Revision of Electoral Roll) Rules, 1994] Adaptation and Modification Order, 2002 shall have applicability to the State of Uttarakhand, subject to the provisions of the following order :—

**THE UTTARAKHAND (THE UTTAR PRADESH MUNICIPAL BOARD (PREPARATION & REVISIONS OF ELECTORAL ROLL) RULES, 1994) (ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2002)
ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2007**

1. Short title and Commencement—

(1) This order may be called The Uttarakhand [The Uttar Pradesh Municipal Board (Preparation & Revision of Electoral Roll) Rules, 1994] (Adaptation and Modification Order, 2002) Adaptation and Modification Order, 2007.

(2) It shall come into force at once

2. "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"—

In the Uttaranchal [The Uttar Pradesh Municipal Board (Preparation & Revision of Electoral Roll) Rules 1994] Adaptation and Modification Order, 2002, wherever the expression "Uttaranchal" occurs, it shall be read as "Uttarakhand".

19 नवम्बर, 2007 ई०

संख्या 796/IV-2007-01(43)/2007—चूँकि, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 की धारा 6 के अधीन उत्तराखण्ड शासन, उत्तराखण्ड राज्य के सम्बन्ध में लागू विधि को, आदेश द्वारा, निरसन अथवा संशोधन के रूप में, ऐसे अनुकूलन तथा उपान्तरण कर सकता है, जो आवश्यक व समीचीन हों;

तथा, चूँकि, उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन और उपान्तरण आदेश, 2002, उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 की धारा 86/87 के अधीन उत्तराखण्ड राज्य में लागू है;

अतः, अब, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 (अधिनियम सं० 52, वर्ष 2006) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल, उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन और उपान्तरण आदेश, 2002 को उत्तराखण्ड राज्य में निम्नलिखित प्राविधानों के अध्वधीन लागू रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :—

**उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) (अनुकूलन और उपान्तरण
आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007**

1—संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारम्भ—

(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) (अनुकूलन और उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2—"उत्तरांचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढ़ा जाना—

उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) अनुकूलन और उपान्तरण आदेश, 2002 में जहाँ-जहाँ शब्द "उत्तरांचल" आया है, वहाँ-वहाँ वह शब्द "उत्तराखण्ड" पढ़ा जायेगा।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 796/IV-2007-01(43)/2007, dated November 19, 2007 for general information :

November 19, 2007

No. 796/IV-2007-01(43)/2007—WHEREAS, under section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 the Uttarakhand Government may, by order, make such adaptation and modification of the law by way of repeal or amendment as necessary or expedient;

AND, WHEREAS, the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002 is in force in the State of Uttarakhand under section 86/87 of the Uttar Pradesh Reorganisation Act, 2000;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Governor is pleased to direct that the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam 1959) Adaptation and Modification Order, 2002 shall have applicability to the State of Uttarakhand, subject to the provisions of the following order :—

THE UTTARAKHAND (THE UTTAR PRADESH NAGAR NIGAM ADHINIYAM, 1959) (ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2002) ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2007

1. Short title and Commencement--

(1) This order may be called The Uttarakhand (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) (Adaptation and Modification Order, 2002) Adaptation and Modification Order, 2007.

(2) It shall come into force at once.

2. "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"—

In the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Nigam Adhiniyam, 1959) Adaptation and Modification Order, 2002, wherever the expression "Uttaranchal" occurs, it shall be read as "Uttarakhand".

19 नवम्बर, 2007 ई०

संख्या 885/IV-2007-01(85)/2007—वूकि, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 की धारा 6 के अधीन उत्तराखण्ड शासन, उत्तराखण्ड राज्य के सम्बन्ध में लागू विधि को, आदेश द्वारा, निरसन अथवा संशोधन के रूप में, ऐसे अनुकूलन तथा उपान्तरण कर सकता है, जो आवश्यक व समीचीन हों;

तथा, वूकि, उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002, उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 की धारा 86/87 के अधीन उत्तराखण्ड राज्य में लागू है;

अतः, अब, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 (अधिनियम सं० 52, वर्ष 2006) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल, उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 को उत्तराखण्ड राज्य में निम्नलिखित प्राविधानों के अध्वधीन लागू रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :—

उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007

1—संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारम्भ—

(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2—"उत्तरांचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढ़ा जाना—

उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 में जहाँ-जहाँ शब्द "उत्तरांचल" आया है, वहाँ-वहाँ वह शब्द "उत्तराखण्ड" पढ़ा जायेगा।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 885/IV-2007-01(85)/2007, dated November 19, 2007 for general information :

November 19, 2007

No. 885/IV-2007-01(85)/2007--WHEREAS, under section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 the Uttarakhand Government may, by order, make such adaptation and modification of the law by way of repeal or amendment as necessary or expedient;

AND, WHEREAS, the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Palika Adhiniyam, 1916) Adaptation and Modification Order, 2002 is in force in the State of Uttarakhand under section 86/87 of the Uttar Pradesh Reorganisation Act, 2000;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Governor is pleased to direct that the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Palika Adhiniyam, 1916) Adaptation and Modification Order, 2002 shall have applicability to the State of Uttarakhand, subject to the provisions of the following order :--

THE UTTARAKHAND (THE UTTAR PRADESH NAGAR PALIKA ADHINIYAM, 1916) (ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2002) ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2007

1. Short title and Commencement--

(1) This order may be called The Uttarakhand (The Uttar Pradesh Nagar Palika Adhiniyam, 1916) (Adaptation and Modification Order, 2002) Adaptation and Modification Order, 2007.

(2) It shall come into force at once.

2. "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"--

In the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Nagar Palika Adhiniyam, 1916) Adaptation and Modification Order, 2002, wherever the expression "Uttaranchal" occurs, it shall be read as "Uttarakhand".

19 नवम्बर, 2007 ई०

संख्या 879/IV-2007-01(79)/2007-वूकि, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 की धारा 6 के अधीन उत्तराखण्ड शासन, उत्तराखण्ड राज्य के सम्बन्ध में लागू विधि को, आदेश द्वारा, निरसन अथवा संशोधन के रूप में, ऐसे अनुकूलन तथा उपान्तरण कर सकता है, जो आवश्यक व समीचीन हों;

तथा, वूकि, उत्तरांचल [उत्तर प्रदेश नगर पालिका परिषद् सेवक (जांच, दण्ड और सेवा मुक्ति) नियमावली, 1960] अनुकूलन और उपान्तरण आदेश, 2002, उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 की धारा 86/87 के अधीन उत्तराखण्ड राज्य में लागू है;

अतः, अब, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 (अधिनियम सं० 52, वर्ष 2006) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल, उत्तरांचल [उत्तर प्रदेश नगर पालिका परिषद् सेवक (जांच, दण्ड और सेवा मुक्ति) नियमावली, 1960] अनुकूलन और उपान्तरण आदेश, 2002 को उत्तराखण्ड राज्य में निम्नलिखित प्राविधानों के अध्वधीन लागू रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

उत्तराखण्ड [उत्तर प्रदेश नगर पालिका परिषद् सेवक (जांच, दण्ड और सेवा मुक्ति) नियमावली, 1960] (अनुकूलन और उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007

1-संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारम्भ--

(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड [उत्तर प्रदेश नगर पालिका परिषद् सेवक (जांच, दण्ड और सेवा मुक्ति) नियमावली, 1960] (अनुकूलन और उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2-"उत्तरांचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढ़ा जाना--

उत्तरांचल [उत्तर प्रदेश नगर पालिका परिषद् सेवक (जांच, दण्ड और सेवा मुक्ति) नियमावली, 1960] अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 में जहाँ-जहाँ शब्द "उत्तरांचल" आया है, वहाँ-वहाँ वह शब्द "उत्तराखण्ड" पढ़ा जायेगा।

आज्ञा से,

शत्रुघ्न सिंह,
सचिव।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 879/IV-2007-01(79)/2007, dated November 19, 2007 for general information :

November 19, 2007

No. 879/IV-2007-01(79)/2007—WHEREAS, under section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 the Uttarakhand Government may, by order, make such adaptation and modification of the law by way of repeal or amendment as necessary or expedient;

AND, WHEREAS, the Uttaranchal [The Uttar Pradesh Municipal Board Servant (Enquiry, Punishment and Termination of Service) Rules, 1960] Adaptation and Modification Order, 2002 is in force in the State of Uttarakhand under section 86/87 of the Uttar Pradesh Reorganisation Act, 2000;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Governor is pleased to direct that the Uttaranchal [The Uttar Pradesh Municipal Board Servant (Enquiry, Punishment and Termination of Service) Rules, 1960] Adaptation and Modification Order, 2002 shall have applicability to the State of Uttarakhand, subject to the provisions of the following order :—

**THE UTTARAKHAND [THE UTTAR PRADESH MUNICIPAL BOARD SERVANT (ENQUIRY, PUNISHMENT AND TERMINATION OF SERVICE) RULES, 1960] (ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2002)
ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2007**

1. Short title and Commencement--

(1) This order may be called The Uttarakhand [The Uttar Pradesh Municipal Board Servant (Enquiry, Punishment and Termination of Service) Rules, 1960] (Adaptation and Modification Order, 2002) Adaptation and Modification Order, 2007.

(2) it shall come into force at once.

2. "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"--

In the Uttaranchal [The Uttar Pradesh Municipal Board Servant (Enquiry, Punishment and Termination of Service) Rules, 1960] Adaptation and Modification Order, 2002, wherever the expression "Uttaranchal" occurs, it shall be read as "Uttarakhand".

By Order,

SHATRUGHAN SINGH,
Secretary

सिचाई विभाग

विज्ञप्ति

22 नवम्बर, 2007 ई०

संख्या 3236 / II-2007-01(46) / 2003—एतद्वारा यह विज्ञप्ति की जाती है कि उत्तराखण्ड प्रदेश अभियन्ता सेवा (सिचाई विभाग) श्रेणी—“ख” के निम्नलिखित अधिकारी उनके नाम के सम्मुख अंकित तिथि को 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत्त हो जायेंगे—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	पद-नाम	जन्मतिथि	सेवानिवृत्ति की तिथि
1	2	3	4	5
1.	श्री हरिशंकर शर्मा	सहायक अभियन्ता (सिविल)	02-01-48	31-01-2008
2.	श्री हरिप्रकाश शर्मा	सहायक अभियन्ता (सिविल)	15-07-48	31-07-2008

1	2	3	4	5
3.	श्री यामेश शर्मा	सहायक अभियन्ता (सिविल)	20-10-48	31-10-2008
4.	श्री नन्द किशोर उग्रेती	सहायक अभियन्ता (सिविल)	26-12-48	31-12-2008
5.	श्री वीरेन्द्र कुमार	सहायक अभियन्ता (सिविल)	01-01-49	31-12-2008
6.	श्री महेश चन्द्र गर्ग	सहायक अभियन्ता (यांत्रिक)	01-06-48	31-06-2008
7.	श्री वीरेन्द्र कुमार शर्मा	सहायक अभियन्ता (यांत्रिक)	09-09-48	30-09-2008
8.	श्री सुन्दर सिंह	सहायक शोध अधिकारी	15-01-48	31-01-2008
9.	श्री मंगल सिंह सिसौदिया	सहायक शोध अधिकारी	11-02-48	29-02-2008
10.	श्री प्रीतम सिंह	सहायक शोध अधिकारी	02-04-48	30-04-2008
11.	श्री सुभाष चन्द्र वर्मा	सहायक शोध अधिकारी	01-06-48	31-05-2008
12.	श्री ब्रजराज पाण्डे	सहायक शोध अधिकारी	17-05-48	31-05-2008
13.	श्री रामरक्षा पात्र सिंह	सहायक शोध अधिकारी	09-12-48	31-12-2008

शत्रुघ्न सिंह,
सचिव।

आवास विभाग

23 नवम्बर, 2007 ई०

संख्या 2343/V-आ०-2007-26(न०वि०)/2001-अधिसूचना संख्या 2243/V-आ०-2007-26(न०वि०)/2001, दिनांक 30-10-07 को अतिक्रमित करते हुए उत्तर प्रदेश निर्माण कार्य विनियमन अधिनियम, 1958 की धारा-15(क)(2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करती हुई उक्त अधिनियम के अन्तर्गत आवास विभाग, उत्तराखण्ड शासन के समक्ष प्रस्तुत वाद/अपील/निगरानी एवं विधिक मामलों में सुनवाई हेतु श्री विजय कुमार दौडियाल, अपर सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग, उत्तराखण्ड शासन को अधिकृत किया जाता है। साथ ही उत्तर प्रदेश नगर नियोजक और विकास अधिनियम, 1973 (यथासंशोधित) की धारा 41(3), उत्तर प्रदेश विशिष्ट क्षेत्र विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1986 (यथासंशोधित) की धारा 38(3) तथा अन्य विभिन्न विविध प्रावधानों के अन्तर्गत शासन को प्रस्तुत अपील/निगरानी एवं विधिक मामलों में सुनवाई हेतु भी श्री विजय कुमार दौडियाल को राज्य सरकार की ओर से निस्तारण करने हेतु अधिकृत किया जाता है।

2-श्री दौडियाल को निर्देशित किया जाता है कि वे राज्य सरकार में आवास विभाग के समक्ष प्रस्तुत विभिन्न विधिक प्रकरणों में सुनवाई के पश्चात् यथा आवश्यकता स्थगनादेश एवं अंतिम आदेश पारित करेंगे।

शत्रुघ्न सिंह,
सचिव।

चिकित्सा अनुभाग-1

अधिसूचना

21 नवम्बर, 2007 ई०

संख्या 1907/XXVIII(1)/2007-18/2004-भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (आयुष), नई दिल्ली के आदेश संख्या-K.11017/2/2007-DCC(AYUS) Vol. III, दिनांक 21 सितम्बर, 2007 के क्रम में ड्रग्स एण्ड कॉस्मेटिक्स रूल्स, 1945 के नियम-154 (2) के उपबन्धों के अधीन आयुर्वेदिक एवं यूनानी औषधियों के लिए विनिर्माण अनुज्ञापि (लाइसेन्स) जारी किये जाने हेतु निम्नलिखित विशेषज्ञों का एक पैनल गठित किये जाने की एतद्द्वारा राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- | | | | |
|-----|---|---|------------|
| (1) | निदेशक, आयुर्वेदिक एवं यूनानी सेवायें, उत्तराखण्ड, देहरादून | - | अध्यक्ष |
| (2) | डा० दिनेश चन्द्र सिंह, प्रवक्ता द्रव्यगुण, ऋषिकुल राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज, हरिद्वार | - | सदस्य |
| (3) | डा० सिमरन कौर, बी०ए०एम०एस०, रसाशास्त्र एवं मेषज्य कल्पना, डील ऑफिस के सामने रायपुर रोड, देहरादून (प्राइवेट प्रैक्टिशनर) | - | सदस्य |
| (4) | श्री पुरुष चन्द्र जोशी, रीजनल ऑफिसर, सी०सी०आर०आर०, ताड़ीखेत, अल्मोड़ा | - | सदस्य |
| (5) | डा० सुन्दरलाल पोखरियाल, कार्यवाहक उप निदेशक, आयुर्वेदिक एवं यूनानी सेवायें, उत्तराखण्ड, देहरादून | - | सदस्य सचिव |

2-इस कार्य हेतु उपरोक्त अधिकारियों/विशेषज्ञों को कोई अतिरिक्त वेतन/भत्ता देय नहीं होगा तथा इस पैनल का कार्यकाल अधिसूचना जारी किये जाने की तिथि से 01 वर्ष होगा।

आज्ञा से,
मनीषा पवार,
सचिव।



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक ०८ दिसम्बर, २००७ ई० (अग्रहायण १७, १९२९ शक सम्वत्)

भाग १-क

नियम, कार्य-विधियाँ, आज्ञाएँ, विज्ञापियाँ इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

HIGH COURT OF UTTARAKHAND, NAINITAL

NOTIFICATION

November 22, 2007

No. 141/XIV/1/Admin.A/2006--Sri Vivek Bharti Sharma, Addl. District Judge/1st F.T.C., Hardwar, is hereby sanctioned earned leave for 10 days w.e.f. 23.10.2007 to 01.11.2007.

November 27, 2007

No. 142/XIV/32/Admin.A/2007--Sri Ramesh Chandra Kukret, District & Sessions Judge, Chamoli, is hereby sanctioned earned leave for 10 days w.e.f. 29.10.2007 to 07.11.2007, with permission to prefix 28.10.2007 as Sunday.

By Order of the Court,

Sd/-

RAVINDRA MAITHANI,
Additional Registrar

पी०एस०यू० (आर०ई०) ४९ हिन्दी गजट/६१९-भाग १-क-२००७ (कम्प्यूटर/रीजियो)।

मुद्रक एवं प्रकाशक-उप निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।